ISSN 0975-4083

रिसर्च जरनल ऑफ आर्ट्स मैनेजमेन्ट एण्ड सोशल साइन्सेस

Peer-Reviewed Research Journal
UGC Journal No. (Old) 2138 Impact Factor 4.875 (IIFS)
Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory
ProQuest, U.S.A. Title Id : 715204

अंक - 22, हिन्दी संस्करण, वर्ष-11, अक्टूबर-मार्च 2022

Centre for Research Studies
REWA (M.P.)

2022

www.researchjournal.in

PRINCIPAL
Ramchandi College Saraipali
(Bagalior),Mahasamund (C.G.

अनुक्रमणिका

01.	महिला पुलिस की पारिवारिक एवं सामाजिक प्रस्थिति (रीवा संभाग के विशेष संदर्भ में समाजशास्त्रीय अध्ययन) **अखिलेश शुक्ल, प्रियंका तिवारी**	09
02	भारतीय ग्रामीण समाज में जजमानी व्यवस्था का महत्व: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन **मीरा कुमारी**	20
03	शिक्षित एवं अशिक्षित कामकाजी महिलाओं के आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन (रीवा नगर के विशेष संदर्भ में) **शशांक पाण्डेय, प्रीतम सिंह, किरण पटेल**	26
04	कोविड-19 महामारी के दौरान बेरोजगार हुये युवकों कि मनोसामाजिक समस्याओं का अध्ययन (रीवा नगर के विशेष संदर्भ में) **शालिनी शर्मा, सुनीत कुमार द्विवेदी, आशीष सिंह पटेल**	34
05	कोविड-19 के दौरान कामकाजी महिलाओं पर घरेलू हिंसा का प्रभाव (रीवा नगर के विशेष संदर्भ में) **रुचि सिंह**	41
06	स्वास्थ्य पर राज्य के सार्वजनिक व्यय के प्रभाव का अध्ययन **मेघा डड्सेना, ए. के. पाण्डेय**	48
07	किन्नरों की सामाजिक स्थिति: एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण **अंजू शुक्ला**	53
08	महिला अपराधिता "प्रकृति और पुनर्वास" **गजानन मिश्र**	58
09	भ्रष्टाचार (भारतीय परिप्रेक्ष्य में एक सामाजिक विश्लेषण) **रश्मि दुबे**	67
10	भ्रष्टाचार एवं कालाधन: एक वैश्विक समस्या का अध्ययन **अनिल द्विवेदी**	74
11	विभिन्न अवस्थाओं में बालक का विकास **रवेन्द्र राजपूत**	85
12	आर्टिकल 370 और कश्मीर समस्या **अर्चना दीक्षित**	101
13	कृषि वित्तीयकरण तथा रूपांतरण (सीधी जिले के विशेष संदर्भ में (1991 से 2010 तक) **सौरभी गुप्ता**	109
14	स्वतंत्रता-संग्राम में दलित नायकों का योगदान: एक समीक्षात्मक अध्ययन **आशीष कुमार**	122
15	महात्मा गांधी का समाज के उत्थान में भूमिका **सिद्धार्थ मिश्र**	129
16	अकबर की सेना में राजपूत सैन्य अधिकारियों का योगदान **मीनाक्षी सिंह कर्चुली**	133
17	अकबर एवं जहांगीर कालीन धार्मिक नीति: उत्तर भारतीय समाज के विशेष संदर्भ में **प्रियंका भारती**	138
18	मैहर तहसील का पुरातत्व **धीरजलाल विश्वकमा**	148

PRINCIPAL
Ramchandi College Saraipali
Bagalior).Mahasamund (C.G.

19	मनरेगा में महिलाओं के समावेशी विकास का अध्ययन **मिर्जा शहाब शाह, सद्दाम खान, रामलखन सिंह**	151
20	छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक व्यय का शिक्षा पर उसके प्रभाव का अध्ययन **मेघा डड्सेना, ए. के. पाण्डेय**	157
21	छत्तीसगढ़ राज्य के योजनागत व्यय एवं गैर योजनागत व्यय का तुलनात्मक विश्लेषण **शशिकिरण कुजूर**	162
22	भारत की राजकोषीय नीति की प्रवृत्तियाँ: वर्तमान सन्दर्भ में **कुमुद श्रीवास्तव**	168
23	कृषि विपणन की दशा का समीक्षात्मक मूल्यांकन (रीवा जिले के विशेष सन्दर्भ में) **पुरूषोत्तम प्रसाद बाल्मीकि, भानु साहू**	175
24	जनपद प्रतापगढ़ के औद्योगिक विकास में आंवला (एक भौगोलिक अध्ययन) **इंदु मिश्रा**	182
25	भारतीय लोक कला के विविध आयाम **उपासना राज**	187
26	भारतीय परम्पराओं में बसी विभिन्न प्रकार की लोक कलाएँ **निशा गुप्ता**	194
27	दिव्यांग तथा संगीत का परस्पर संबंध **निशा पाठक**	200
28	महाकवि कालिदास की कृतियों में संगीत **निष्ठा शर्मा**	205
29	संगीत में विद्युतीय उपकरणों की भूमिका **खुशब**	212
30	कोविड-19 के ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा- चुनौतियां **स्मिता मसीह**	217
31	उच्च शिक्षा में परिवर्तन एवं अवलोकन **प्रत्यूश वत्सला द्विवेदी**	225
32	मुगल काल में राजपूतों की सामाजिक स्थिति **मीनाक्षी सिंह कर्चुली, एस.एस. चौहान**	230
33	उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति एवं विकास **निशा राठौर, जितेन्द्र सिंह**	236
34	राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 1986 की शैक्षिक जगत को देन **रवेन्द्र राजपूत**	242
35	प्रवासी साहित्यिक परिदृश्य मे उषा प्रियंवदा का साहित्य **अमित शुक्ल**	255
36	हिन्दी मीडिया सामाजिक उपादेयता संकट और संम्भावनाएँ **सूरजमुखी**	262
37	रामभक्ति व विधायक भावनाओं का आकर ग्रन्थ-रामचरित मानस **सुनीता द्विवेदी**	270
38	'गो' पद की अर्थ मीमांसा **ज्योत्स्ना द्विवेदी**	276
39	मृच्छकटिक कालीन सामाजिक प्रथा एवं कुरीतियाँ **लक्ष्मीकान्त मिश्र, कमलेश कुमार थापक, आदित्य तिवारी**	280

PRINCIPAL
Ramchandi College Saraipali
(Bagalkot), Mahasamund (C.G.)

UGC Journal No. (Old) 2138,
Peer-Reviewed Research Journal
Impact Factor 4.875, ISSN 0975-4083
Vol.- 22, Hindi Edition, Year-11, Oct.-March 2022

छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक व्यय का शिक्षा पर उसके प्रभाव का अध्ययन

• मेघा डड्सेना
•• ए. के. पाण्डेय

सारांश- सार्वजनिक व्यय राजस्व का अत्यन्त महत्वपूर्ण विभाग है क्योंकि सावर्जनिक व्यय से केवल उसका परिवार प्रभावित होता है परन्तु सरकार द्वारा किये गये सार्वजनिक व्यय से सम्पूर्ण राष्ट्र प्रभावित होता है। राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए सरकार सार्वजनिक व्यय को एक अस्त्र के रूप में उपयोग करता है। छ.ग. राज्य सरकार सार्वजनिक व्यय के माध्यम से सामाज का एक महत्वपूर्ण पहलू शिक्षा पर भी व्यय कर रही है। जिससे कि राज्य का प्रत्येक नागरिक शिक्षित हो और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे। छ.ग. की साक्षरता दर वर्ष 2001 में 64.66 प्रतिशत थी तथा वर्ष 2011 में 70.28 हो गई। छत्तीसगढ़ की सर्वाधिक साक्षरता दर वाला जिला दुर्ग है जिसमें 82 प्रतिशत साक्षरता दर है तथा सबसे कम साक्षरता दर वाला जिला सुकमा है जिसकी साक्षरता दर 34 प्रतिशत है इस प्रकार छ.ग. साक्षरता की दृष्टि से सम्पूर्ण भारत में 20 वें स्थान पर है। छ.ग. राज्य सरकार के द्वारा किये गए कुल सार्वजनिक व्यय के आँकड़ों का आंकलन करने से पता चलता है कि वर्ष 2001-02 में कुल सार्वजनिक व्यय 8094.63 करोड़ रूपये थी, जिसमें शिक्षा पर किये गये सार्वजनिक व्यय 836.36 करोड़ रूपये है तथा उसी वर्ष स्कूल शिक्षा में कुल पंजीयन दर (GER) 47.69 प्रतिशत थी।सरकार के द्वारा शिक्षा पर किये गये सार्वजनिक व्यय से शिक्षा के स्तर पर सुधार हुआ है तथा राज्य का शैक्षणिक विकास हुआ है।

मुख्य शब्द- सार्वजनिक व्यय, शिक्षा पर कुल पंजीयन दर, सकल घरेलु उत्पादन, मानव विकास।

परिचय- सार्वजनिक व्यय राज्य सरकार तथा स्थानीय सरकार द्वारा किया गया व्यय सार्वजनिक व्यय कहलाता है। यह राजस्व का बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग है। किसी भी राष्ट्र के विकास में राज्य की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। आज देश

• शोधार्थी, पीएच. डी., अर्थशास्त्र अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
•• प्राध्यापक, अर्थशास्त्र अध्ययनशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

PRINCIPAL
Ramchandi College Saraipali
Bagalior),Mahasamund (C.G.

लोककल्याणकारी राज्य के स्वरूप को अपना रहा है जिसके कारण सार्वजनिक व्यय में वृद्धि होती जा रही है और उस देश के नागरिक भी अपनी सरकार से ये उपेक्षायें रखते हैं की सरकार उन क्षेत्रों में व्यय करे जो व्यक्तियों के निजी व्यय के सामर्थ से बाहर हैं जैसे- सामूहिक शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आवास, यातायात आदि जिसमें किसी समूह या व्यक्ति के द्वारा खर्च करना संभव नहीं है। सार्वजनिक व्यय एक आर्थिक बैरोमीटर के समान है जिससे उस राष्ट्र की प्रगति एवं समृद्धि को मापा जा सकता है। सार्वजनिक व्यय के माध्यम से सरकार अपने देश के नागरिकों को अनेक प्रकार की सेवाएं तथा सुविधाएँ प्रदान करती है जैसे- आंतरिक तथा बाह्य आक्रमण से सुरक्षा तथा शिक्षा, चिकित्सा, जन-स्वास्थ्य, मनोरंजन, सहकारिता, सामुदायिक विकास तथा सामाजिक लाभ की अनेक योजनाएं लागू करती है। सार्वजनिक व्यय एक ऐसा अस्त्र है सरकार का जिसके माध्यम से वह समाजिक सुधार तथा देश का आर्थिक विकास करती है। मानवीय संसाधन उस देश के आर्थिक विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। यदि उस देश का नागरिक शिक्षित है तथा विवेकशील है अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है तो उस देश का तीव्रगति से आर्थिक विकास होगा और उस देश का नागरिक अशिक्षित तथा अनपढ़ हैं, अविवेकशील हैं तो वह देश विकास की गति में पिछड़ जाएगा और ऐसा देश अक्सर विकास राष्ट्रों को गुलाम बन कर रह जाता है।

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना 1 नवम्बर 2000 को हुई है यह मध्यप्रदेश से पृथक होकर देश के 26वें राज्य के रूप में उभर कर सामने आया है। मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य का मातृत्व राज्य के नाम से जाना जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र को ऊँचा ऊठाने के लिए सार्वजनिक व्यय के माध्यम से प्रयास कर रही है। सार्वजनिक व्यय के माध्यम से राज्य के शिक्षा के विकास के लिए अनेक योजनाएँ अपना रही है। जिससे राज्य का प्रत्येक नागरिक शिक्षित हो और छत्तीसगढ़ राज्य का एक शिक्षित राज्य की श्रेणी में आए।

अध्ययन के उद्देश्य - प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं -

1. शिक्षा पर किये गये सार्वजनिक व्यय एवं उनके संकेतकों की प्रवृत्तियों एवं परिवर्तनशीलता का अध्ययन करना।
2. कुल पंजीयन दर पर सार्वजनिक व्यय के प्रभावों का विशलेषण करना।
3. अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर उपयुक्त सुझाव प्रस्तुत करना।

शोध पद्धति -

(अ) आँकड़ों का संग्रहण- प्रस्तुत अध्ययन मुख्य रूप से द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। शिक्षा पर किये जाने वाले सार्वजनिक व्यय का कुल पंजीयन दर से संबंधित आँकड़ों को राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित छत्तीसगढ़ का आर्थिक सर्वेक्षण एवं राज्य की जनगणना रिपोर्ट से एकत्रित किया गया है।

(ब) आँकड़ों का विश्लेषण- अध्ययन के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जिन सांख्यिकीय तकनीकियों का उपयोग किया गया है वह इस प्रकार है -

(1) संयुक्त वृद्धि दर- शिक्षा पर किये गये सार्वजनिक व्यय की प्रवृत्ति जानने के लिए

PRINCIPAL
Ramchandi College Saraipali
(Raiipur),Mahasamund (C.G.)

संयुक्त वृद्धि दर का प्रयोग किया गया है। इसका सूत्र इस प्रकार है –

$Y = AB^t$

जहाँ –

Y = प्रवृत्ति दर
A = स्थिरांक
B = (1+r) , r = संयुक्त वृध्दि दर (%में)
T = समय

(2) विचरण गुणांक– अध्ययन अवधि में एकत्रित आँकड़ों में परिवर्तनशीलता की दर जानने हेतु विचरण गुणांक ज्ञात किया गया है। इसका सूत्र इस प्रकार है –

$$C.V. = \frac{SD}{X} \times 100$$

जहाँ –

C.V. = विचरण गुणांक (% में)
S.D. = प्रमाप विचलन

$\overline{X}$= समांतर माध्य

छत्तीसगढ़ राज्य में सार्वजनिक व्यय का शिक्षा पर प्रभाव

वर्ष	शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय (करोड़ रू.)	प्राथमिक से माध्यमिक स्तर के स्कूल शिक्षा में कुल पंजीयन दर(GER%)
2000 - 01	815 . 46	46.64
2001 - 02	836.36	47.69
2002 -03	852.21	49.41
2003 -04	864.23	51.03
2004 - 05	884.34	53.71
2005 - 06	905.52	58.32
2006 - 07	924.78	60.14
2007 - 08	1122.41	64.22
2008 - 09	1498.03	65.74
2009 - 10	1218.05	87.65

उपर्युक्त तालिका में छत्तीसगढ़ राज्य में सार्वजनिक व्यय का शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव को दिखाया गया है। जिसमें वर्ष 2000–01 से 2009–10 तक के आँकड़ों को लिया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा सत्र 2000–01 में शिक्षा पर 815.46 करोड़ रू. व्यय किया है तथा 2004–05 में 884.34 करोड़ रू. व्यय किया है अर्थात पहले से अधिक वृद्धि हुई है, इस प्रकार सार्वजनिक व्यय में 2008–09 तक तो बढ़ रही है अर्थात् 1498.03 करोड़ रू. व्यय हुआ है। परन्तु 2009–10 के आँकड़े देखे तो पहले से थोड़ा

PRINCIPAL
Ramchandi College Saraipali
Bagalior),Mahasamund (C.G.

कम शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय हुआ है। इस प्रकार कह सकते हैं शिक्षा पर किये गये सार्वजनिक व्यय में वृद्धि हुई है, बस 2009 -10 में थोड़ा सार्वजनिक व्यय घट गया है।

सार्वजनिक व्यय का शिक्षा पर प्रभाव देखने के लिए प्राथमिक से माध्यमिक स्तर के स्कूलों में कुल पंजीयन दर (GER) को लिया गया है। 2000-01 में कुल पंजीयन दर 46.64 प्रतिशत है। 2006-07 में 60.14 प्रतिशत है तथा 2009-10 में 87.65 प्रतिशत है अर्थात शिक्षा पर किये गए सार्वजनिक व्यय में भी वृध्दि हो रही है तथा शिक्षा में कुल पंजीयन दर (GER) में भी वृद्धि हो रही है। शिक्षा पर किये गएं सार्वजनिक व्यय शिक्षा पर अच्छा प्रभाव पड़ रहा है।

निष्कर्ष- छ.ग. राज्य सरकार के द्वारा शिक्षा पर किये गये सार्वजनिक व्यय से स्कूल शिक्षा के स्तर में सुधार एचं विकास की प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। राज्य सरकार विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं एवं सुविधाओं के माध्यम से शिक्षा का विकास इस तरह कर रही है की शिक्षण सुविधा बच्चों को उनकी पहुँच पर प्राप्त हो सके। शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय कर विभिन्न तरीकों से शिक्षा को रूचिकर बनाकर तथा नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक शाला गणवेश प्रदान कर मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम लागू कर छात्रवृत्ति की सुविधाएँ प्रदान कर सरस्वती सायकल योजना आदि लागू कर बच्चों को शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश हेतु आकृष्ट किया जा रहा है, जिससे शाला में बच्चों का कुल पंजीयन दर में वृद्धि हो तथा शाला त्यागी बच्चों की संख्या में कमी आये। राज्य सरकार के द्वारा शिक्षा पर किये जाने वाले सार्वजनिक व्यय से छ.ग. राज्य के मानव विकास निर्देशांक में वृद्धि कर रही है तथा राज्य के मानव संसाधन को विवेकशील तथा जागरूक बना रही है ताकी शिक्षा में वृद्धि से राज्य के सकल घरेलू उत्पादन में वृद्धि करने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग दे सकें।

प्रमुख सुझाव -

1. पढ़ाई को मनोरंजक एवं रूचिकर बनाने के लिए समय - समय पर अनके लिए खेल - कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पुरस्कार वितरण का कार्य किया जाना चाहिए जिससे बच्चों में स्कूलों में पढ़ाई के लिए रूचि बढ़ती है।
2. स्कूलों में छात्र - छात्राओं के लिए शौचालय की भी सुविधा होनी चाहिए क्योंकि कई छात्राएँ इसके अभाव में शाला आने में हिचकिचाहट महसूस करती हैं।
3. प्रवेशोत्सव में अनुपस्थित बच्चों से संपर्क कर उन्हें शाला आने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
4. माइग्रेटरी छात्रावास भी बनाई जाये, ताकि पलायन करने वाले बच्चे इसमें रह कर शिक्षा प्राप्त कर सकें।
5. शिक्षा तथा शिक्षण कार्य की गुणवत्ता में वृध्दि करने के लिए शाला के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को उचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
6. भविष्य का निर्माण एक शिक्षक के हाथों में होता है इसलिए अपने कर्तव्यों का नियमित निर्वहन करते हुए शाला में उपस्थिति उनकी नियमित होनी चाहिए तथा बच्चों कों शाला में स्वस्थ्य माहौल देना चाहिए तथा मन लगाकर बच्चों को शिक्षा प्रदान करना चाहिए।

PRINCIPAL
Ramchandi College Saraipali
Bagalior),Mahasamund (C.G

संदर्भ ग्रन्थ सूची-

1. छ.ग. समग्र 2014, छ.ग. जन संपर्क विभाग
2. आर्थिक एवं सांख्यिकी संचलनालय छ.ग. रायपुर, समाजिक क्षेत्र, अध्याय -14 ,पृ. 181,182,183
3. शोधकर्ता द्वारा विश्लेषण किया गया
4. आर्थिक सर्वेक्षण 2011-12, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचनालय छत्तीसगढ़, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर
5. मिश्रा, डॉ. जे.पी. साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, अर्थशास्त्र, पृ. 183,184,185.
6. दत्त, रूद्र, सुन्दरम के.पी. एम, एस चन्द एण्ड कम्पनी लि. नई दिल्ली, भारतीय अर्थव्यवस्था, पृ. 41,42,43
7. अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इ) प्रा. लि. मेरठ, छत्तीसगढ़ एक सम्पूर्ण अध्ययन, पृ. 124,127,128,129.

PRINCIPAL
Ramchandi College Saraipali
(Bagalior).Mahasamund (C.G.